ण्एम.एच.डी-1 : हिंदी काव्य–1
(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–1
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी-1/टी.एम.ए/2019–20
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित प्रत्येक काव्यांश की लगभग 200 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10X4=40

क) चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा।।
धूम, साम, धौरे घन धाए। सेत धजा बग-पांति देखाए।।
खड़ग बीजु चमकै चहुँ ओरा। बुंद बान बरसहिं घन घोरा।।
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंत! उबारु मदन हौं घेरी।।?
दादुर मोर कोकिला, पीऊ। गिरै बीजु, घट रहै न जीऊ।।
पुष्प नखत सिर ऊपर आवा। हौं बिनु नाह, मंदिर को छावा?
अद्रा लाग लागि भुइँ लेई। मोहिं बिनु पिउ को आदर देई।

जिन्ह घर कंता ते सुखी, तिन्ह गारौ और गर्ब।
कंत पियारा बाहिरै, हमस ु ख भूला सर्ब।

ख) ऊधो! म्न नहिं हाथ हमारे।
रथ चढ़ाय हरि संग गए लै मथुरा जबै सिधारे।।
नातरू कहा जोग हम छाँड़हि अति रुचि कै तुम ल्याए।
हम तौ झकति स्याम की करनी मन लै जो पठाए।
धजहू मन अपनी हम पावै तुमतें होय तो होय।
सूर, सपथ हमैं कोटि तिहारी कहौ करैगी सोय।

ग) राणाजी थे जहर दियो म्हे जाणी।। टेक।।
जैसे कंचन दहत अगिन में, निकरात वारायाणी।
लोकलाज कुल काण जगत की, दइ बहाय जस पाणी।

अपणे घर का परदा करले, मैं अबला बौराणी।
तरकस तीर लग्यो मेरे हियरे, गरक गयो सनकाणी।
सब संतन पर तनमन वारों चरण कंवल लपटाणी।
मीराँ को प्रभु राणि लई है, दासी अपणी जाणी।।

घ) आई खेलि होरी घरैं नवलकिशोरी कहूं,
बेरी गई रंग में सुगुंधन झकोरै है।
कहै पद्माकर इकंत चलि चौकी चढ़ी,
हारन के बारन के फंद बंद छोरै है।
चांघरे की घूमन सु ऊरून दुबीचै पारि,
आंगीहू उतारि सुकुमारि मुख मोरै हैं।
दंतनि अधर दाबि दूनर भई सी चापि,
चौअर पचौअर कै चूनर निचौरै है।

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए : 15X3=45

क) कबीर की दार्शनिक मान्यताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

ख) मीरा के काव्य में अभिव्यक्त सामंती रूढ़ियों के प्रति विद्रोह तथा उनकी विरह भावना पर प्रकाश डालिए।

ग) घनानंद के प्रेम संबंधी दृष्टिकोण तथा उनकी स्वच्छंदता का विश्लेषण कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए : 5X3=15

क) 'पृथ्वीराज रासो' के युद्ध और शृंगार वर्णन पर टिप्पणी लिखिए।

ख) तुलसीदास की राजनीतिक चेतना तथा रामराज्य की परिकल्पना को स्पष्ट कीजिए।

ग) मुक्तक काव्य परंपरा में बिहारी का क्या स्थान है? संक्षेप में टिप्पणी लिखिए।